



B.A. Janta (2) 29/8/20

Hindi Notes

कक्षा: -

34th Week + 230 Day

AUGUST •

18

MONDAY •

मोक्षदाया कायक स्त्री ने कन्या  
मंजुषा की पालिका का परिवर्तन बाद हुआ  
कि वह आपनी स्वभावात् कन्या की भाँति  
सिकन्दर के हाथ में पड़ गया  
सा कि वह मंजुषा के कामकाज करने में उसे  
सहायता देने लगी। बाद में उसी  
सिकन्दर ने उस स्त्री को सहायता देने पर  
बंदी बना लिया। जो सहायता नहीं देती  
है वह शत्रुतापूर्ण है। दुःख ही सामान्य नहीं  
है। बुद्ध के कारण स्वर्गलोक में शक्तिमान  
मिंह को कुँवरों में गिराकर ठाढ़ रखा और  
बुद्ध के कारण शक्तिमान मिंह कुँवरों में  
गिराकर ठाढ़ रखा।

गदवाला — बुद्ध की ही शक्ति  
का पाठ इस प्रकार दिया है —

परा हाथ उसी स्विकन्दर की।  
सौ किन्तु बुद्ध के सौ सौ सौ ॥  
अर्थात् वह बहुत अंतर नहीं है। इस पाठ का  
अर्थ होगा कि मोक्षदाया नामक स्त्री कन्या  
बुद्ध के कारण लौरी सिकन्दर को अपनी  
आधीन पाकर उसी बंदी नहीं बना पाई।  
बाद में सिकन्दर ने आधीन पाकर उसी  
बंदी बना लिया।

इसी सबब है कि बुद्ध मोक्षदाया  
नामक एक स्त्री सिकन्दर द्वारा राजा दूरीय  
लोको के बाद काटू बनाकर जंगल में भेजा  
गया। बुद्ध के पिता आहत सिकन्दर उसी  
जंगल में आकर पड़ा था। आपन सिकन्दर का  
बुद्ध होना के कारण उसने अपनी आधीन नहीं  
किया। बाद में सिकन्दर ने उसे पहचानकर बंदी बना लिया।

Authority should be seen as a part of leadership, not as a way around it.

कक्षा: -

92014  
1 3 4 5 6  
10 11 12 13  
14 15 16 17 18 19 20  
21 22 23 24 25 26 27